



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्रामाणिक से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 355]
No. 355]

नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 6, 1988/आषाढ़ 15, 1910
NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 6, 1988/ASADHA 15, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन को रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 6 जुलाई, 1988

प्रति

क्र.आ. 678 (अ).—केंद्रीय सरकार, स्थापक प्रीविलि और मनःप्रभावी पदार्थ अथवा व्यापार निवारण
अभियोग, 1988 (1988 का 7) की धारा 10 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते
हुए, भारत सरकार के प्रवर सचिव, सर्वोपरी बी.डी. कुमार और के.जे. रमण को उक्त धारा के प्रसंगों के
लिए निम्नोक्त रूप में सहायता प्रती है।

[क्र. सं. 771/s/88 सी.सू. VIII]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 6th July, 1988

ORDERS

S.O. 678 (E) .—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 10 of the Prevention of Illicit Traffic in Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Ordinance, 1988 (7 of 1988), the Central Government hereby specially empowers Sarvashri B. V. Kumar and K. J. Raman, Additional Secretaries to the Government of India, for the purposes of the said section.

[F. No. 771/5/88-CUS.VIII]

का.अ. 678 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, स्थापक अधिवि और मनःप्रभावी पदार्थ अधिवि व्यापार निवारण अध्यादेश, 1988 (1988 का 7) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवर्तन शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के संयुक्त सचिव, श्री के.एल. वर्मा को उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए विशेष रूप से सशक्त करता है।

[का.सं. 771/5/88-सी.गु. VIII]

एस.के. चौधरी, अवर सचिव

S.O. 679 (E) .—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Prevention of Illicit Traffic in Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Ordinance, 1988 (7 of 1988), the Central Government hereby specially empowers Shri K. L. Verma, Joint Secretary to the Government of India, for the purposes of the said section.

[F. No. 771/5/88-CUS.VIII]

S. K. CHOWDHRY, Under Secy.